बदल गया प्रदेश, बढ़ती अर्थव्यवस्था के मामले में देश में दूसरा स्थान : महाना

सीआईआई के कॉन्फ्रेंस में औद्योगिक विकास मंत्री ने कहा, अभी तय करना है लंबा रास्ता

लखनऊ। पिछले चार वर्षों में उत्तर प्रदेश बदल गया है। उद्योगपतियों के बीच भी यह राय कायम हो गई है। तेजी से अर्थव्यवस्था बढ़ने और उद्योग स्थापित करने के मामले में प्रदेश देश में दूसरे पायदान पर पहुंच गया है। 2017 में उद्योगपति कहते थे यूपी ऐसा कर सकता है, अब प्रदेश ने ऐसा कर दिखाया है। यह बातें प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने शुक्रवार को सीआईआई के वार्षिक अधिवेशन और न्यू इंडिया के लिए उत्तर प्रदेश का निर्माण विषय पर आयोजित कॉन्फ्रेंस को बतौर मुख्य अतिथि कहीं।

परिचर्चा का मुख्य विषय यूपी को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करना, नीतिगत आयाम और आगामी परियोजनाओं का मूल्यांकन करना रहा। महाना ने कहा कि औद्योगीकरण पॉलिसी निर्धारण और यूपी इंवेस्टर्स समिट के आयोजन में सीआईआई का भरपूर साथ मिला। प्रदेश के अनुकरणीय परिवर्तन के बावजूद अब भी लंबा रास्ता तय करना है। कोरोना काल में व्यवसायों पर पड़े प्रभाव पर कहा कि गत वर्ष में उद्योगों को चालू रहने में मदद करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह वर्ष उनके पुनरुद्धार व प्रगति पर ध्यान केंद्रित करेगा। अब जब राज्य ने रसद व वेयरहाउसिंग को उद्योग का दर्जा दिया है,

तो औद्योगिक दरों पर लॉजिस्टिक विकास के लिए भूमि दी जा रही है।

एक्सप्रेस-वे पर इतना बजट कभी नहीं : अतिरिक्त मुख्य सचिव, अवसंरचना और औद्योगिक विकास अरविंद कुमार ने कहा कि केंद्र व राज्य का बजट उद्योग को प्रोत्साहित करने वाला है। देश के इतिहास में एक्सप्रेस-वे पर इतना बड़ा बजट कभी नहीं आया। इन्वेस्टर्स समिट के दौरान हुए एमओयू पर रूपांतरण अनुपात करीब 43 प्रतिशत हैं। फिल्म सिटी, जीडा औद्योगिक हब में तेजी से बदल रहे हैं। उन्होंने सीआईआई को उनसे जुड़ी महिला उद्यमियों को रोल मॉडल के रूप में अन्य महिलाओं को प्रेरित करने के लिए प्रस्तावित किया।

कृषि सुधार पर दिया जा रहा बल

अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने प्रदेश में कृषि अवसंरचना कोष के प्रावधानों पर कहा कि प्रदेश को एक लाख करोड़ के घोषित फंड का लगभग 12000 करोड़ रुपये का आवंटन प्राप्त हुआ है। उन्होंने प्रस्तावित किया कि सीआईआई सरकार के साथ परियोजनाओं की एक जिलेवार शेल्फ तैयार करने के लिए सहयोगी कर सकता है। इस पर उद्यमियों, युवा स्नातक या निजी खिलाड़ियों द्वारा काम किया जा सकता है। सीआईआई उत्तरी क्षेत्र के अध्यक्ष और त्रिवेणी टर्बाइन लिमिटेड के सीएमडी निखिल सहनी ने कहा कि राज्य में विकास की अगली लहर को आकार देने में कृषि, बुनियादी ढांचे और सूचना प्रौद्योगिकी के महत्व पर जोर दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश स्टेट काउंसिल के चेयरमैन और दयाल ग्रुप के निदेशक अंकित गुप्ता ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं स्टार्टअप नीति की सराहना करते हुए कहा कि ये इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के साथ-साथ राज्य में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने में काफी महत्वपूर्ण साबित होगी। अंबिका स्टील्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सीपी गुप्ता को सीआईआई उत्तर प्रदेश राज्य परिषद 2021-22 का अध्यक्ष व टेक्निकल एसोसिएशन लिमिटेड के सीईओ विनम्र अग्रवाल को उपाध्यक्ष घोषित किया गया।

India Post